

खबर संक्षेप

निःशुल्क अंधत्व निवारण शिविर का आयोजन

भुआबिछिया। ग्राम पंचायत भीमडींगरी में दादा वीरेन्द्र पुरी जी महाराज (देवजी नेत्रालय) के सहयोग से निःशुल्क अंधत्व निवारण एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 22 मरीजों ने अपनी आंखों की जांच कराई। जांच उपरांत 3 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन किया गया। चयनित मरीजों को जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थितजन की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाकर देवजी नेत्रालय, जबलपुर के लिए रवाना किया गया, जहां उनका आवश्यक उपचार एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य टीम एवं ग्रामवासियों का सहयोग सराहनीय रहा। आंखों की रोशनी बचाना और जरूरतमंदों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है।

रंग मंच निर्माण कार्य भूमि पूजन संपन्न

भुआबिछिया। कल ग्राम पंचायत मनोरी के पोषक ग्राम मंगली के बंगगो टिकरा में 15वें वित्त आयोग की राशि से 1.50 लाख की लागत से रंगमंच निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर ने कहा कि रंगमंच का निर्माण ग्रामीणों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए उपयोगी साबित होगा। गांव में आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में श्रीमती रेखा धुर्वे, सरपंच, परमू कौरचे, पंसारी मरावी, लालसिंह धुर्वे, बिगारी मरावी, कैलाश माको, रमेश धुर्वे, शांतिबाई मरावी, लखीराम धुर्वे, रामप्रसाद धुर्वे, गोलादास पनोरिया, बहादुर परते सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गणेशोत्सव में बाल कलाकारों ने प्रस्तुतियों से बांधा समां

मण्डला। श्री गजानन सरकार श्री, झुलेलाल गणेश उत्सव समिति, सुभाष वार्ड में गणेशोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक आयोजन हुए। इस दौरान बाल कलाकारों ने भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश एवं माता की स्तुति में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। नन्हें कलाकारों के अभिनय और प्रस्तुतियों से आयोजन स्थल का वातावरण भक्तिमय हो गया। बाल कलाकारों की प्रस्तुतियों को देखकर श्रद्धालुओं ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावनाओं की सुंदर झलक देखने को मिली। आयोजन के दौरान समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन में सुहानी चंदानी, चिया वाधवानी, मानविक गुरवानी, प्रबल चंदानी, कियान सीरवानी, जियांश पमनानी, जान्या चंदानी, उमंग चंदानी, लियाना सीरवानी, पार्थ वीरानी, मधुर क्षत्री, जितन चांदवानी, अमन बसंतानी, समायरा सुखवानी, रेयांश रहदवानी, आरव चांदवानी, फनिशा सीरवानी, ताशू चौरसिया, ख्वाहिश चांदवानी, दिया भोजवानी, गाव्या भोजवानी ने आयोजन में मनमोहक प्रस्तुति दी।

उमंग दिवस चुनौतियों से लड़कर, सकारात्मकता से गढ़ेंगे भविष्य की थीम पर विशेष कार्यक्रम

उमंग है तो जिंदगी में रंग है-पुलिस अधीक्षक

* जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय में हुआ आयोजन।

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के नेतृत्व में उमंग दिवस के अवसर पर मंडला जिले के विद्यालयों में छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को तनावमुक्त रहने, दूसरों को तनाव से मुक्त करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा सकारात्मक कार्यों के



लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रमों के दौरान विद्यार्थियों को उमंग की शपथ भी दीलाई गई।

आज दिनांक 23 सितंबर 2026 को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर में

कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 से 400 छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मंडला श्री राजेश रघुवंशी, डीएसपी सतीश चतुर्वेदी, निरीक्षक जय सिंह यादव थाना प्रभारी महाराजपुर, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक श्री नामदेव तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती विभा मिश्रा उपस्थित रहीं। पुलिस अधीक्षक मंडला श्री राजेश रघुवंशी द्वारा छात्राओं को गुड टच-बैड टच, सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण प्रावधान, साइबर अपराध से बचाव एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 के संबंध में जानकारी दी गई। छात्राओं द्वारा पूछे

गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। कार्यक्रम में तनाव प्रबंधन विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। एक अन्य कार्यक्रम जगन्नाथ उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा डीएसपी सतीश चतुर्वेदी, उनि आकांक्षा उर्मलिया तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती कल्पना नामदेव उपस्थित रहीं। विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया।

मंडला पुलिस द्वारा उमंग दिवस के अवसर पर थाना क्षेत्रों के कुल 31 विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में संबंधित थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को उमंग अभियान की थीम के अनुरूप आत्मसुरक्षा, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, साइबर सुरक्षा एवं आवश्यकता पड़ने पर पुलिस सहायता प्राप्त करने के संबंध में जानकारी दी गई।

ग्रामीण क्षेत्र की निकली केवल को नगर में लगाया जा रहा

33 केव्ही हाईटेंशन लाइन फिर विवादों में

* नगरवासियों ने मांगे दस्तावेज एवं बिल बाऊचर।

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

पड़ाव क्षेत्र में 33 केव्ही की हाईटेंशन लाईन डाली जा रही है इस लाईन के लिये मकानों एवं दुकानों से सटाकर पोल खड़े किये गये हैं जिन्हें लेकर स्थानीय व्यापारियों ने कुछ दिन पूर्व भी अपना विरोध दर्ज कराया था कल एक नया विरोध सामने आया जब पड़ाव क्षेत्र के लोगों ने देखा कि इस 33 केव्ही हाईटेंशन लाईन में जो केवल डाली जा रही है वह नगर की समीपी पंचायत खुड़िया ग्राम की निकली हुई है यानि उपयोग की गई है उसे ही खुड़िया ग्राम से लाकर यहां नगर में लगाया जा रहा है लोगों को इस बात की जैसे ही खबर लगी सभी एकत्रित हो गये और जिस वाहन में केवल थी उसे लेकर सिटी कोतवाली पहुंच गये। व्यापारियों का कहना है कि उन्हें जो केवल लगाई



जा रही है उसके बिल बाऊचर दिखाये जायें साथ ही नगरपालिका द्वारा इस कार्य को लेकर जो एनओसी दी गई है उसे भी दिखाया जाये। पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष गिरीश चंदानी द्वारा तो काम की मंजूरी एवं स्टीमेट पर भी सवाल उठाते हुये विद्युत विभाग को आई हाथों लिया वहीं नगरपालिका पार्षद विनय बरदानी ने तो प्रशासन को सीधे-सीधे चेतावनी दी कि

हाईटेंशन लाईन कार्य में सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जा रही है उन्होंने ठेकेदार और विद्युत विभाग के अधिकारियों पर मिलीभगत के आरोप भी लगाये साथ ही कहा कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई तो वे आंदोलन करने बाध्य होंगे। जनपद अध्यक्ष संतोष भलावी द्वारा भी खुड़िया ग्राम से केवल हटाकर वहां खुले तार लगाने पर सुरक्षा से खिलवाड़ करने की बात कही गई।

खुड़िया से निकाली केबल पड़ाव में डाले जाने का विरोध-लोगों ने ट्रक थाने पहुंचाया, बिजली कंपनी पर नियमों की अनदेखी का आरोप मंडला शहर के पड़ाव क्षेत्र में बुधवार सुबह 33 केवी हाईटेंशन लाइन के लिए केबल डाली जा रही थी। इस पर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने विरोध किया। उन्होंने विद्युत विभाग पर सुरक्षा नियमों की अनदेखी, केबल की गुणवत्ता और काम करने के तरीके पर सवाल उठाए। विरोध कर रहे लोगों ने



अधिकारियों से केबल के बिल-बाउचर और नगर पालिका की एनओसी दिखाने को कहा। जब दस्तावेज नहीं दिखाए गए, तो स्थानीय लोग केबल से लदे ट्रक को लेकर थाने पहुंच गए।

इसी बीच, ग्राम खुड़िया के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप है कि मंगलवार को उनके गांव में सुरक्षा के लिए लगाई गई 33 केवी केबल को विद्युत विभाग ने निकाल दिया। उसकी जगह खुली तार लगा दी गई।

ग्रामीणों के विरोध करने पर कार्यपालन अभियंता राकेश आमपुरी ने कथित तौर पर कहा था कि खुली तार केबल से ज्यादा सुरक्षित है। उन्होंने इसे बदलने की बात कही थी। ग्रामीणों का कहना है कि अब वही निकाली गई केबल पड़ाव क्षेत्र में डाली जा रही है।

जनपद अध्यक्ष संतोष भल्लावी ने बताया कि खुड़िया में ग्रामीण लंबे समय से 33 केवी लाइन में खुली तार की जगह केबल लगाने की मांग

कर रहे थे। सुरक्षा को देखते हुए यह मांग की जा रही थी। काफी कोशिशों के बाद केबल लगाई गई थी। लेकिन मंगलवार को जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के विरोध के बावजूद उसे निकाल कर फिर से खुली तार लगा दी गई।

भगत सिंह वार्ड के पार्षद विनय बरदानी ने आरोप लगाया कि लाइन डालने में सुरक्षा नियमों का पालन नहीं हो रहा है। भवनों से जरूरी दूरी का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने ठेकेदार और अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया। बरदानी ने चेतावनी दी कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे आंदोलन करेंगे।

पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष गिरीश चंदानी ने काम की मंजूरी और एस्टीमेट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आमनाला से मंडला पावर हाउस तक 6.8 किलोमीटर लाइन का एस्टीमेट है। जबकि आमनाला से फिल्टर प्लांट तक करीब 5 किलोमीटर लाइन पहले से ही बिछी हुई है।

नारायणगंज में गणेशोत्सव



पंचमुखी गणेशोत्सव समिति भवानी मंडल



राधाकृष्ण गणेशोत्सव समिति



हनुमान चौक कुड़ामैली



ब्लॉक गणेशोत्सव समिति

विशेष आधार मेले का आयोजन 25 एवं 26 सितंबर को
मण्डला। भारतीय डाक विभाग, मंडला संभाग द्वारा नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिए 25 एवं 26 सितंबर 2026 को विशेष आधार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले के दौरान नागरिक नया आधार नामांकन कराने के साथ आधार में मोबाइल नंबर, पता एवं अन्य आवश्यक विवरणों का अद्यतन करा सकेंगे। मंडला डाक संभाग के अंतर्गत मंडला, नैनपुर, पिंडरई, बम्हनी, चिरईडोंगरी, महाराजपुर, निवास, डिंडोरी, शहपुरा निवास एवं सिंहोरा सहित विभिन्न डाकघरों एवं आधार केंद्रों पर सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।



नगर के निरंजन वाई में स्थापित गणेश जी की प्रतिमा।



नगर के आमगांव नाका के पास स्थापित गणेश प्रतिमा



नगर सिद्धि विनायक की स्थापित गणेश प्रतिमा



नगर नये बस स्टेन्ड स्थापित लम्बोदर की प्रतिमा



नगर के शास्त्री स्थापित की गई प्रतिमा

कोयला लेकर दौड़ रहे ओवर लोडिंग वाहन अब सड़कों के साथ आम जन की जिन्दगी को पैदा कर रहे खतरा

ट्राली के ऊपर से गिरने वाले कोयल के पत्थरों से घायल हो रहे राहगीर, सच्चाई को लेकर परिवहन विभाग की चुप्पी पर सवाल...?

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। जहां एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा मंच के माध्यम से घोषणा की जाती है कि मीडिया द्वारा उजागर की जाने वाली खबरों को ज़िला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लेते हुये उन पर कार्यवाही की जावे। मगर बड़े ही हैरत की बात है कि हमारे जिले में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा क़िस तरह मुख्यमंत्री का आदेश की धज़िया उड़ाते हुये उनके आदेश को कर किनार करने के साथ नियमों के विरूद्ध कार्य करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस बात की सच्चाई इस समय गाइरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाइरवारा गोटीटोरिया तथा गरधा निवारी मार्ग पर आसानी से देखने मिल सकता है..। जहां पर धड़ल्ले से कोयला परिवहन करने वाले डम्पर ओवर लोडिंग हालत में दौड़ते हुये देखे जाने की सच्चाई को उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग की चुप्पी निश्चित तौर परिवहन विभाग के साथ साथ क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है..? बताया जाता है कि गोटीटोरियाँ सहित नगर के रेलवे स्टेशन के पास अनलोडिंग होने वाले कोयला को परिवहन करने वाले डम्परों को प्रतिदिन सैकड़ो कोलये का परिवहन होते हुये देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर समीपस्थ गरधा निवारी के समीपस्थ स्थित विद्युत पावर प्लांट को भी डम्परों के माध्यम से कोयला पहुंचाया जा रहा है। मगर इन डम्परों में हो रही ओवर लोडिंग का हाल यह तरह से बना हुआ है कि निर्धारित भाग दंडो पर बनी हुई डम्परों की ट्रालियों को वैसे भी अलग से निर्माण कराते हुये उनकी उच्चाई बढ़ा दी गई है। इसके बाद भी ज़स तरह से ऊपर लोडिंग करते हुये ट्राली के ऊपर टिपुआ की तरह भरे जाने के चलते जब यह डम्पर



सड़को पर दौड़ते है तो ट्राली से कोयला के पत्थर सड़क पर गिरने से नही चूकते है। इस स्थिति में आम राहगीर व वाहन चालको की जिन्दगी को खतरा बनने से नही चूक रहा है। इस तरह ओवर लोडिंग करते हुये क़िये जा रहे कोयला परिवहन के चलते क्षेत्र की सड़को को क्षति पहुंचने से नही चूक रही है। इस बात की सच्चाई गाइरवारा से गरधा होते हुये निवारी की ओर जाने वाले मार्ग के रूप में असानी से देखी जा सकती है। जहां पर कुछ साल पहले बनी हुई प्रधान मंत्री सड़क इन ओवर लोडिंग डम्परों की धमाचौकड़ी के चलते अनेक जगहों पर धसक चुकी है तो अनेक जगहों पर बड़े बड़े गड्डे नजर आने से नही चूक रहे है..? मगर हैरत इस बात है कि इस तरह इस तरह गाइरवारा गोटीटोरिया मार्ग से लेकर गरधा ल्वासी मार्ग पर दौड़ रहे इन ओवर लोडिंग डम्परों की सच्चाई को मीडिया द्वारा प्रमुखता के साथ उजागर क़िये जाने के बाद भी परिवहन विभाग सहित स्थानीय



अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जाना इस बात का संकेत देने से नही चूक रहा है कि शायद कोयला के ओवर लोडिंग कारोबार में परिवहन द्वारा अपनी ओर से मूंग स्वीकृति प्रदान की गई है..? इसी का परिणाम है कि जहां यह कोयल परिवहन करने वाले ओवर लोडिंग डम्पर आमजन की स्थिति को खतरा पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है तो दूसरी ओर ग्रामीणों की सुविधा के लिये बनाई गई सड़को का नामो निशान मिटाने पर उतारू होते हुये नजर आने से नही चूक रहे है..? क्योंकि सरकार द्वारा ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये करोड़ी रूपया खर्च करते हुये पक्की सड़को का निर्माण तो कराया गया है। मगर यहां पर इस तरह दौड़ने वाले ओवर लोडिंग डम्परों की धमाचौकड़ी के चलते वह सड़के सुरक्षित बच पाने की संभावना समाप्त होने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर सच्चाई उजागर होने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इन ओवर लोडिंग

डम्परों की अनदेखी के चलते उनके हौसल बुलंद होते हुये दिखाई दे रहे है। इतना ही नही इन ओवर लोडिंग कोयला परिवहन करने वाले डम्परों की धमाचौकड़ी के चलते स्कूली छात्राओं को भी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। सही मायने में देखा जावे तो परिवहन विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के गोटीटोरियों से गाइरवारा व गरधा से निवारी की ओर जाने वाले मार्ग पर जिस स्थिति में खुलेआम ओवर लोडिंग कोयला के डम्पर दौड़ते हुये देखे जा रहे है। उनके चलते क्षेत्र की सड़को को क्षति पहुंच रही है तो दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिये भी खतरा बनने से नही चूक रहा है। क्योंकि कोयला परिवहन करने वाले इन भारी भरकम डम्परों की सच्चाई इस तरह से देखने मिल रही है कि उन में लगी हुई ट्राली को निर्धारित मात्रा से लगभग तीन फ़ट तक अधिक निर्माण कराने के साथ उससे भी अधिक उचाई में कोयल भरते हुये खुलेआम ओवर लोडिंग करते हुये सड़को पर जिस तरह दौड़ते हुये देखे जा रहे है। वह निश्चित तौर से परिवहन विभाग की मिली भगत की सच्चाई को उजागर करते हुये प्रतीत होने से नही चूक रहे है..? क्योंकि किसी भी वाहन में लगी हुई ट्राली का अतिरिक्त निर्माण कराते हुये उपयोग करना निश्चित तौर से यातायात नियमों के विपरित माना जाता है। मगर इसके बाद भी गोटीटोरिया से निकलकर गाइरवारा होते हुये गरधा मार्ग से निवारी तक पहुंचने वाले इन डम्परों को अनदेखा किया जाना परिवहन विभाग के साथ पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े करने से नही चूक रहे है..?

डोल ग्यारस के मौके पर विमानों पर आरूढ़ भगवान का पूजन करने उतावले हुए भक्त

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। चल रहे गणेश उत्सव के दौरान जिस तरह लोगों में उत्साह देखने मिल रहा है उसके चलते लग रहा है कि वह बीते हुये वर्षों की कसर को पूरा करने में कोई कमी नही छोड़ना चाहते है। क्योंकि बीते हुये साल डोल ग्यारस के मौके पर जिस तरह बारिश का दौर चला था उसके चलते लोग भगवान की पूजन से बंचित नजर आ रहे थे। कुछ इसी प्रकार का हाल इस वर्ष भी देखने मिल रहा था। मगर इन्द्रदेव की कृपा के चलते मौसम साफ़ रहा और भगवान के विमानों की पूजन करने के लिये लोगों की भीड़ उमड़ते हुये देखी गई। क्योंकि लगातार हो रही बारिश के चलते जहां लोग बप्पा का दर्शन करने के लिये अपने घरों से नही निकल पा रहे है। मगर डोल ग्यारस के अवसर पर शाम के समय बारिश में कुछ देरी के लिये लगे हुये ब्रेक से लोग भगवान के मंदिरों से लेकर सड़को से निकले हुये विमानों का पूजन करते हुये देखे गये। वही गणेश भक्तों में जहां अलग ही उत्साह दिखाई पड़ रहा था। मंगलवार को डोल ग्यारस के मौके पर निकले हुये विमानों पर भगवान की पूजन करने के लिये लोग सड़को पर भीड़ देखने मिली। बताया जाता है कि डोल ग्यारस पर्व के अवसर पर कल मंगलवार को शहर के मंदिरों से सुरज्जित विमानों पर आरूढ़ होकर भगवान जल बिहार करने के लिये ढलती सांझ की बेला में निकले जिसके चलते जहां लोगों में भगवान के विमानों को देखते हुये उत्साह देखने मिल रहा था। वही इस प्रकार से नगर के प्रमुख मार्गों पर धूमधाम के साथ निकाले गए

भगवान के इन विमानों के सामने भगवान के भक्त गण



शंख, घंटे बजाते हुए चल रहे थे। इस दौरान भगवान के दर्शन, पूजन के लिए उतावले लोग अपने घरों के सामने भगवान के विमानों को रोक रोक कर श्रद्धाभाव से भगवान का आशीष प्राप्त करते नजर आ रहे थे। नगर के मंदिरों से निकले भगवान के विमानों का ठहराव कुछ घंटों के लिए नगर के राम मंदिर के सामने हुआ और बाद में ये विमान झंडाचौक के समीप पहुंच जहां पर रात भर अनेक प्रकार के आयोजन चलते रहे इसके बाद दूसरे दिन यानि की आज सुबह की बेला में शहर की जीवन रखा माने जाने वाली शक्कर नदी के छिड़ाव घाट पहुंचे जहां भगवान ने जल बिहार किया। इस प्रकार से डोल ग्यारस पर निकाले गये भगवान के विमानों की अलग प्रकार से ही छटा देखने मिल रही थी वही संपूर्ण नगर धर्ममय होते हुये देखा जा रहा है नगर के चारो ओर शंख व घंटों की मनोरम आवाज सुनाई पड़ने के कारण पूरे नगर का वातावरण अनेकों रूप में दिखाई देने से नही चूक पा रहा था, इस प्रकार से डोल ग्यारस के मौके पर लोगों के घरों में पूजन के कार्यक्रम भी होते हुये देखे गये।

साईखेड़ा में गूंज रहा श्रीमद्भागवत का ज्ञान और भक्ति संदेश से भक्ति में लीन धूनी नगरवासी



हरिभूमि न्यूज/ साईखेड़ा।

नगर में नदीपुरा चल रहे श्रीमद्भागवत कथा का भक्तिमय में जहां लोगों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है। वही कथा के दौरान पूज्य ब्रह्मचारी महाराज बापौली वालों के पावन मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों और भगवान की अनेकों लीलाओं का श्रवण कराया जा रहा है। कथा पंडाल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर आध्यात्मिक ज्ञान और भक्ति रस का लाभ ले रहे हैं। चल रही धर्ममय कथा के दौरान कथा वाचक महाराज जी ने श्रीमद्भागवत के तृतीय स्कंध से जुड़े विभिन्न प्रसंगों एवं भगवान की दिव्य लीलाओं का वर्णन करते हुए धर्म, भक्ति, संस्कार, सदाचार और मानव जीवन के मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। महाराज जी ने अपने प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को बताया कि श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाला आध्यात्मिक मार्गदर्शन है। इसके प्रत्येक प्रसंग में मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाने वाले संदेश निहित हैं। चल रही धार्मिक आयोजन श्रीमद्भागवत कथा के दौरान क्षेत्रीय सांसद दर्शन सिंह चौधरी भी कथा स्थल पर पहुंचे और ब्रह्मचारी महाराज के श्रीमुख से कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने धार्मिक आयोजन में शामिल होकर श्रद्धालुओं के साथ आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं द्वारा भक्तिभाव के साथ महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया जा रहा है। ब्रह्मचारी महाराज ने कथा प्रसंगों के माध्यम से भक्तों से कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में धर्म और संस्कारों को प्राथमिकता देते हुए सत्य, संयम, सेवा, सद्भाव और सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं में निहित जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश देते हुए कहा कि सकारात्मक सोच और अच्छे संस्कार व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ पूरे समाज को भी नई दिशा प्रदान करते हैं। महाराज के आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी वचनों को श्रद्धालु एकाग्रचित्त होकर सुन रहे हैं। कथा के दौरान भगवान की लीलाओं और धार्मिक प्रसंगों के वर्णन से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। भजन, कथा प्रसंग और आध्यात्मिक संदेशों के बीच श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था दिखाई दे रही है। चल रहे कथा के आयोजन को लेकर नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। कथा स्थल पर प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति से अद्भुत वातावरण देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करने के साथ पूज्य महाराज जी के आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। आयोजन के माध्यम से साईंखेड़ा क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो रहा है। श्रीमद्भागवत कथा के प्रसंग लोगों को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और जीवन मूल्यों से जोड़ने के साथ सेवा, संयम, सदाचार, प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करने का संदेश दे रहे हैं।

करोड़ों की लागत से दूधी नदी पर दो साल पहले बना पुल साबित हो रहा अनुपयोगी, कीचड का साम्राज्य खोल रहा विकास कार्यों की पोल

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। क्षेत्र में जब कोई विकास कार्य होता है तो क्षेत्र की जनता खुश होने से नही चूकती है। मगर यदि वह विकास कार्य मात्र एक दिखावा साबित होकर रह जाने के कारण अनुपयोगी साबित हो रहा हो तो निश्चित तौर से विकास कार्यों की पोल खुलने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ दूधी नदी पर लगभग दो साल पहले बनये गये पुल का हाल देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि करोड़ों की राशि से पुल का निर्माण तो साल पहले हो चुका है। मगर दोनों ओर एप्रोच रोड का निर्माण नही होने के कारण यह पुल क्षेत्र के निवासियों को मात्र एक शोभा की सुपारी बनकर रह गया है और पुल के ऊपर कीचड का साम्राज्य स्थापित होने के कारण विकास कार्यों की पोल खोलने से नही चूक रहा है। साईंखेड़ा क्षेत्र के विकास और आम नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावों के बीच एक तत्सौर जिम्मेदार व्यवस्था की हकीकत ब्यां कर रही है। बताया जाता है कि दूधी नदी पर करीब दो तीन साल पहले बनकर तैयार हुआ पुल आज भी अपने पूर्ण उपयोग का इंतजार कर रहा है। पुल तो तैयार हो गया, लेकिन दोनों ओर एप्रोच रोड का निर्माण नही होने के कारण यह महत्वपूर्ण पुल ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाती है तथा पुल तक पहुंचने वाला कच्चा मार्ग कीचड और दलदल में तब्दील हो जाता है। इस संबंध में जब ग्रामीणों का कहना है कि पुल का निर्माण होने से उन्हें आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद थी। लेकिन पुल के दोनों ओर पर पक्की सड़क नही बनने से उनकी समस्या जस की तस बनी हुई है। पुल के आसपास का रास्ता इतना खराब हो जाता है कि दोपहिया वाहन तो दूर, ढ़ल विकलाना भी जोखिम भरा हो जाता है। ऐसे में करोड़ों रुपये खर्च कर तैयार किया गया पुल अपने उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर पा रहा है। जानकारी के अनुसार दूधी नदी पर पुल का निर्माण लगभग दो तीन वर्ष पहले पूरा हो चुका है। इसके बावजूद दोनों ओर के मुख्य सड़क को जोड़ने वाली एप्रोच रोड का निर्माण नही कराया गया। यही वजह है कि पुल तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को लगभग डेढ़ किलो मीटर तक कच्चे और कीचड भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर बारिश के दौरान इस रास्ते की हालत बेहद खराब हो जाती है। जगह-जगह पानी भरने, कीचड और दलदल के कारण वाहन फंसने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल बनने के बाद उन्हें आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद थी, लेकिन अगरी सड़क के कारण पुल का पूरा लाभ क्षेत्र की जनता को नही मिल पा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक पुल तो खड़ा है, लेकिन उसके दोनों ओर भारी कीचड और कच्चे रास्ते के कारण यहां से निकलना मुश्किल हो जाता है। बरसात के दिनों में पूरा रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता है। कई बार लोग मजबूरी में जोखिम उठाकर रास्ता पार करते है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि एप्रोच रोड का निर्माण पूरा हो जाए तो आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिल सकती है। फिलहाल



लोगों को खराब रास्ते के कारण वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ रहा है। पुल का निर्माण कार्य पूर्ण नही होने की स्थिति में लंबा चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे ग्रामीणजन। बताया जाता है कि इस मार्ग के शुरू नही होने का सीधा असर आसपास के ग्रामीणों पर पड़ रहा है। पिपरिया बलखेड़ी जाने वाले लोगों को वर्तमान में काफी लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार यदि दूधी नदी का पुल और उससे जुड़ी सड़क पूरी तरह चालू हो जाएं तो पिपरिया बलखेड़ी की दूरी काफी कम हो सकती है, लेकिन वर्तमान स्थिति में लोगों को लगभग 50 से 70 किलोमीटर तक का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों का समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे है। किसानों, विद्यार्थियों, नौकरोंपेशा लोगों और रोजाना आवागमन करने वाले नागरिकों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कमी के दिनों में जब नदी में पानी कम रहता है, तब कुछ लोग मिट्टी डालकर नदी के बीच से वैकल्पिक रास्ता बनाकर निकलने की कोशिश करते हैं। हालांकि बारिश शुरू होते ही यह रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता है। ऐसे में पुल होने के बावजूद ग्रामीणों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है और कई बार संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया जा चुका है। मगर आज तक किसी ने ध्यान देना उचित नहीं समझा गया। इस तरह करोड़ों की लागत से बना हुआ पुल इस समय क्षेत्र के लोगों के लिये मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह चुका है।

गणेश उत्सव के बीच नगर में हो रही अंधाधुंध विद्युत कटौती से नगरवासियों में फैल रहा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। हर साल देखा जाता है कि गणेश उत्सव व नवरात्र शुरू होने के पहले बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों में सुधार कार्य पूर्ण कर लिया जाता है। मगर इस वर्ष देखा जा रहा है कि चल रहे गणेश जूत्सव के दौरान जिस तरह बिजली कटौती होते हुये देखी जा रही है। उसके चलते जहां आमजन में आक्रोश फैलने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर बिजली विभाग की व्यवस्थाओं की सच्चाई भी उजागर होने से नही चूक पा रही है। हाल यह बना हुआ है कि जिस दिन से गणेश उत्सव की शुरूआत हुई है उसी दिन से शाम के वक्त शायद ही ऐसा कोई दिन शेष रहता होगा जब बिजली गुल होते हुये नही देखी गई हो..? कमी कमी तो स्थिति इस तरह से देखी जाती है कि जब गणेश स्थापना पंडालों में आरती की शुरूआत होती है और अचानक बिजली गुल होने की स्थिति में गणेश समितियों को अंधेरे में ही गणपति की आरती करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। सही मायने में देखा जावे तो गणेश उत्सव की धूम को बारिश सहित बिजली कटौती खलल डालने में कोई कसर नही छोड़ रही है। शाम के वक्त होने वाली बिजली कटौती के चलते लोग गणेश प्रतिमाओं के दर्शन करने के लिये सड़को पर निकलने में दहशत खाने से नही चूक रहे है। मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा कहा जा रहा है कि यदि रात के समय हम गणेश दर्शनों के लिये सड़को पर निकले और इसी बीच यदि बिजली गुल हो गई तो पूरेशान होने से नही चूक पायेंगे और इसी सोच के चलते सड़को पर पब्लिक को नकलने में दहशत पैदा होते हुये देखी जा रही है। लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर लोगों आरोप है कि बिजली विभाग द्वारा गणेश उत्सव के पहले अपनी ओर से किसी तरह से कोई तैयारी नही की गई इसी का परिणाम है कि नगर में तहां तहां बिजली केबिले लटकने के साथ साथ पेड़ो की डालिया बिजली लाईनों पर आ जाने के चलते जहां तहां फाटल बनने के कारण यह स्थिति निमित्त हो रही है। यदि बिजली विभाग द्वारा गणेश उत्सव शुरू होने के पहले अपनी ओर से तैयारियों की गई होती तो इस तरह की स्थिति नही बन पाती।



जिले में पहुंची सेवा ज्योति कलश यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

वृक्षारोपण और जनसंवाद के माध्यम से दिया सेवा, संस्कार और विकास का संदेश, केरपानी में मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विद्यार्थियों से किया संवाद,यात्रा दल के सदस्यों ने विकास योजनाओं के हितग्राहियों से किया



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जनसेवा के 25 वर्षों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही सेवा ज्योति कलश यात्रा बुधवार को विक्रमपुर बॉर्डर होते हुए जिले के ग्राम केरपानी पहुंची। सेवा ज्योति कलश यात्रा में सबसे आगे कलश एवं मशाल ज्योति चल रही है, जिसके पीछे मोटरसाइकिल सवारों की टोली शामिल है। यात्रा के माध्यम से सेवा, सामाजिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण एवं विकास का संदेश आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। चार राज्यों के यात्री बाइक से चलकर आ रहे हैं। ग्राम केरपानी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण और जनकल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। इन 25 वर्षों को उत्सव के रूप में मनाने के साथ-साथ सेवा कार्यों से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में सेवा ज्योति कलश यात्राएं निकाली जा रही हैं, जो जनसेवा के संदेश को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि केरपानी में यात्रा का पहुंचना हमारे लिए गौरव का अवसर है। यात्रा में शामिल साथी कई दिनों की यात्रा पूरी कर यहां पहुंचे हैं।

उन्होंने केरपानी और नरसिंहपुर विधानसभा की ओर से सभी यात्रियों का हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

विद्यार्थियों से किया संवाद

सेवा ज्योति कलश यात्रा के अंतर्गत केरपानी में विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी शिक्षा, रोजगार, रुचियों और भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में चर्चा की। उन्होंने आगे बढ़कर समाज और देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मंत्री श्री पटेल ने युवाओं की बातों को सुना और उनके विचारों एवं अनुभवों को जाना।

उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा को सकारात्मक दिशा देकर समाज में व्यापक बदलाव लाया जा सकता है। इस दौरान श्री पटेल ने राजकुल लोधी, लक्ष्मी लोधी एवं अनुराग लोधी से बातचीत कर विद्यालय की दिनचर्या, व्यवस्थाओं एवं विद्यार्थियों की रुचियों के बारे में जानकारी ली।

यात्रा दल के सदस्यों ने हितग्राहियों से किया संवाद

यात्रा दल के सदस्यों ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों एवं आमजनों से संवाद किया। इस दौरान प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

योजना तथा जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित छात्रावास का लाभ लेने वाले हितग्राहियों से योजनाओं के लाभ, अनुभव एवं उनके जीवन में आए बदलावों के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही आमजनों से संवाद कर शासन की विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके प्रभाव की जानकारी प्राप्त की गई। कार्यक्रम में नशा मुक्ति, साइबर क्राइम से बचाव, यौन शोषण की रोकथाम सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावी एवं रोचक प्रस्तुतियों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया गया। विक्रमपुर बॉर्डर से होते हुए जिले में प्रवेश करने पर यात्रा का पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामस्वामी पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सेवा ज्योति कलश यात्रा के दौरान राजा हिरदेशाह के किला परिसर के समीप पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर आंवला एवं अमरुद के पौधे रोपे गए तथा पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। इसके पश्चात केरपानी स्थित नर्मदा तट पर मों नर्मदा जी का पूजन कर दिव्य आरती की गई। इसके उपरान्त यात्रा राजमार्ग होते हुए तेंदूखेड़ा के लिए प्रस्थान की। रात्रि विश्राम तेंदूखेड़ा में होगा।



नेवी जवान पर जानलेवा हमला करने वाले फरार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। थाना करेली पुलिस द्वारा नेवी जवान पर जानलेवा हमले के मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।दिनांक 17.09.2026 को प्रार्थी नंदराम कौरव निवासी पनारी द्वारा थाना करेली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनका पुत्र सूरज कौरव, जो नेवी में पदस्थ है एवं वर्तमान में अवकाश पर गांव आया हुआ था, दिनांक 16.09.2026 की रात्रि गणेश पंडाल के सामने मौजूद था। इसी दौरान क्रांतिक उद्भविया पिता नरेन्द्र उद्भविया निवासी नारगी एवं अजय उर्फ छोट नामदेव पिता भोगीराम नामदेव निवासी पनारी मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे तथा सूरज कौरव पर धारदार चाकू से पेट, सोना एवं पीठ पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना करेली में तत्काल प्रकरण पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अश्वीक्षक, नरसिंहपुर द्वारा विशेष टीम का गठन कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निदेश दिए गए।

गन्ने के खेत से दोनों आरोपियों को पकड़ा

विशेष टीम द्वारा आरोपियों की लगातार तलाश एवं संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। दिनांक 22.09.2026 की रात्रि पुलिस टीम ने नारगी एवं मालहनवाड़ा के पास गन्ने के खेत से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी क्रांतिक उद्भविया के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू जब्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना करेली एवं थाना गाडरवाड़ा में पूर्व से कई अपराध पंजीकृत होने भी सामने आया है।



महाविद्यालय परिसर में रोपे गए पौधारोपण

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस शासकीय महाविद्यालय परिसर में नव्या वृक्ष एवं ज्ञान वृक्ष का रोपण किया गया। इन दोनों वृक्षों को नव्या वितेक ज्ञान समालता तथा पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों का प्रतीक बनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ साथ पर्यावरण चेतना को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। तत्कालीन विधिक सेवा समिति की सहभागिता भी रही। महाविद्यालय में चल रहे नशा मुक्ति अभियान से संबंधित गतिविधियों की भी जानकारी दी गई तथा विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने नव्या ज्ञान पर्यावरण संरक्षण स्वास्थ्य सद्भावना सामाजिक जागरूकता को एक साथ जोड़ते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास का संदेश दिया।इस मौके पर नव्यायौथी शिवकान्त कुशवाहा एवं प्राचार्य डॉ आर के झा के साथ डॉ मनीषा वर्मा ने आभार व्यक्त किया। संवादन सुश्री राधा बाई गों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ प्राध्यापकगण डॉ डी डी विवेकानंद डॉ दिनेश कुमार ठाकुर तथा शैलेन्द्र पटेल अर्जुन अर्जुन पटेल दीपक प्रजापति अशोक नौडिया एवं दीपक वाल्मीकि उपस्थित रहे।

पर्यूषण पर्व पर गोटेगांव में कार्यक्रमों की धूम, मातृशक्ति की सक्रियता से महक उठा आयोजन, धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उमड़ रही सहभागिता

गोटेगांव। दशलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर श्री 1008 शांतिनाथ जिनालय स्थित आचार्य श्री विद्यासागर समागार में मंदित, ज्ञान और आनंद का त्रिवेणी संगम देखने को मिल रहा है। अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद विद्या सिंधु संगम एवं आदर्शमति महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।आयोजन के तहत जिनवर । मिनट, चांदेबा सजाओ प्रतियोगिता, आरती नृत्य, आखर सजाओ प्रतियोगिता, तालमोल के बोल और बाल प्रतिभा शो सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे नगर में धार्मिक वातावरण बना हुआ है।मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी बनी आरक्षण का केंद्रस्थ आयोजन की खास बात महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और कुशल प्रबंधन है। परिषद की महिला सदस्य श्रीमती रुचि जैन, सपना जैन, नेहा जैन, शालू जैन, शीतल जैन, आरती जैन, परिधि जैन, वर्षा जैन एवं प्रीति साराफ सहित अन्य सदस्य आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं की मेहनत और लगन को आयोजन में उपस्थित लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।महिला मंडलों द्वारा तैयार किए गए धार्मिक, ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजन कार्यक्रमों में बच्चे, युवा, महिलाएं एवं बुजुर्ग उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं की उपस्थिति से आयोजन में उत्साह का माहौल बना हुआ है। आयोजन का कहना है कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ धर्म, संस्कार और नैतिक मूल्यों से नई पीढ़ी को जोड़ना भी है।प्रतिभाओं के चयन की जिम्मेदारी निभा रही वरिष्ठ महिलाएं।प्रतिदिन रात्रि में जिनदेव भगवान की आरती के बाद विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का चयन निर्णायक मंडल द्वारा किया जा रहा है। सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन निर्णायकों



के लिए भी युगोतीपूर्ण कार्य बना हुआ है।निर्णायक की जिम्मेदारी श्रीमती रितु जैन (प्राचार्य, हर्दिरा स्कूल), श्रीमती मनीषा जैन (शिक्षिका), इंदु जैन, रूपल जैन सहित अन्य वरिष्ठ महिला सदस्य सजगता एवं निष्पक्षता के साथ निभा रही हैं।दशलक्षण महापर्व के दौरान हो रहे ये आयोजन गोटेगांव में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। धार्मिक वातावरण के साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के कारण समाज के सभी वर्गों में उत्साह देखने को मिल रहा है।इसका कहना हैश्रीमती रुचि जैन ने कहा, 'इजैन धर्म का दशलक्षण पर्व आत्मशुद्धि का पर्व है। इस अवसर पर श्री 1008 शांतिनाथ जिनालय में अनेक ज्ञानवर्धक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बच्चे, महिलाएं एवं पुरुष वर्ग भी बढ़-चढ़कर शामिल हो रहे हैं।'अनिल जैन, प्रचार मंत्री, ट्रस्ट कमेटी ने कहा, 'रघुपूजन महापर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम और अहंकार को मिटाने का पावन काल है। इस अवसर पर श्री शांतिनाथ जिनालय में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किए जा रहे हैं।



होल ग्यारस पर्व पर नगर के चारों प्राचीन मंदिरों के विमानों का हुआ पूजन-अर्चन

नरसिंह मंदिर परिसर में की गई भव्य अहीर नृत्य की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट एवं श्री मित्र गणेश मंडल नरसिंह बाग के राजा द्वारा नरसिंह मंदिर में मंगलवार को भव्य गणेश उत्सव व डोल ग्यारस पर्व पर नगर के चारों प्राचीन मंदिरों से पधार भगवान के विमानों का पूजन अर्चन पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों के अलावा गणेश मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। डोल ग्यारस के विमान के पूजन अर्चन के पश्चात नरसिंह मंदिर परिसर मे गोरखपुर से आए कलाकारों ने भव्य अहीर नृत्य की प्रस्तुति रात्रि 8.30 बजे से की गई। जिसमें पधार कर धर्मप्रेमी जनता ने पुण्यलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

तेंदूखेड़ा सहजपुर मार्ग पर प्रतिदिन फंस रहे वाहन, 22 करोड़ खर्च होने के बाद भी गड़्हे ही गड़्हे



तेंदूखेड़ा। नरसिंहपुर और सागर जिले की सीमाओं से सीधे जोड़ने वाले सड़क मार्ग की दस्तां इन दिनों विकास के दावों और प्रशासनिक पोल खोलती नजर आ रही है। हाल ही में सड़क निर्माण हुआ है।सहजपुर तरफ से तेंदूखेड़ा आने वाली सड़क पर बड़े बड़े गड़्हे फिर नीचे गिटी क्रेशर से नीचे घटिया से ढावा तक सड़क इस स्थिति में पहुंच गई है कि भारी गड़्दों में प्रतिदिन बाहन फंस रहे हैं।छोटे बाहन तो निकल ही नहीं पा रहे हैं। और जबरदस्ती निकाल भी दिये भी जायें तो टूट फूट हो रही है।इस रूट के सुदृढीकरण और नवनिर्माण के लिए लगभग 22 करोड़ रुपये की लागत के प्रोजेक्ट्स लंबे समय से चर्चाओं में रहे हैं। लेकिन हकीकत यह है कि यह सड़क आज भी 100 प्रतिशत पूरी नहीं हो पाई है। और तेंदूखेड़ा नगर परिषद की सीमा निकलते ही वाई क्रमांक 14 भीरपानी के आगे

तरफ से ऊपर जंगल के रास्ते घटित तक गिटी क्रेशर तक सड़क मार्ग जिस स्थिति में है। उससे ना केवल लोग परेशान हैं बल्कि आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।

जंगल के बीच घाटी का हिस्सा अब भी अछूता

करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी इस मार्ग का सबसे महत्वपूर्ण और कठिन हिस्सा जंगल से होकर



जुजरने वाली जंगली घाटी की सड़क का निर्माण अभी तक नहीं हो पाया है। इस पूँच पर आज भी पक्की सड़क या डामरीकरण का नामोनिशान नहीं है। जंगल के बीच का यह कच्चा और दुर्गम मार्ग बारिश के दिनों में पूरी तरह कीचड़ का दलदल बन जाता है जहां वाहन चालकों की सांसें अटक जाती हैं। बड़े बड़े गड़्दों से निकल पाना दुश्भार हो गया है।

विकास के दावों के बीच हिचकोले खाता सफर

लाखों-करोड़ों के बजट और कागजी दावों के विपरीत जमीन पर स्थिति यह है कि जनता आज भी बदहाली का शिकार है। सड़क का एक बड़ा हिस्सा अधूरा छोड़ने के कारण आवागमन सुगम होने के बजाय और अधिक जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बजट स्वीकृत होने

माँ का पोषण, आने वाली पीढ़ी का आधार: भगत सिंह वार्ड आंगनवाड़ी में पोषण अभियान पर सार्थक संवाद गोटेगांव।

नगर के भगत सिंह वार्ड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में पोषण अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं एवं माताओं के साथ पोषण आहार एवं पौष्टिक व्यंजनों को लेकर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य की मुख्य अतिथि समाजसेविका श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव ने मातृशक्ति से चर्चा करते हुए कहा कि माँ का भोजन केवल माँ का नहीं होता, बल्कि गर्भ में चल रहे शिशु के विकास और आने वाली पीढ़ी के स्वस्थ जीवन की नींव होता है। पोषण का अर्थ महाने खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि घर में उपलब्ध दाल, चना, हरी सब्जियाँ, मौसमी फल, दूध-दही, पनीर और अनाज का संतुलित एवं विविध रूप से सेवन करना है।इस दौरान भारतीय परंपरा की अभिमन्यु और माता सुभद्रा की कथा का स्मरण करते हुए बताया गया कि हमारी संस्कृति ने गर्भावस्था के समय माँ के स्वास्थ्य, वातावरण और मानसिक शांति को सदैव महत्व दिया है। गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार, पर्याप्त आराम, सकारात्मक वातावरण और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता यशोदा मेहरा, सहायिका जयंती सेन, मुरलीधर वार्ड कार्यकर्ता ऋतु राय, उषा कार्यकर्ता बबीता सोनी सहित गर्भवती माताएँ मुस्कान विष्वक्कर्मा, जया दुहे, रेशमा पड़रिया, कृष्णा पटेल, शिवानी राजपूत, शीतल श्रीवास्तव, कुंती सिलावट उपस्थित रहीं।साथ ही नन्हे-गुन्हे बच्चों ऋषभ आरव श्रीवास्तव, प्रियांशु राजपूत, आरव पटेल, आरती विष्वक्कर्मा, हार्दिक सिलावट की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी आत्मीय बना दिया।



और कार्य के नाम पर खानापूर्ति किए जाने के बावजूद मुख्य जंगली घाटी वाले हिस्से को जस का तस छोड़ दिया गया है, जिससे ठेकेदार और जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। वैसे भी यह सड़क मार्ग दो जिलों की सीमाओं के कारण विकास के नाम पर तरसता रहा है। जैसे जैसे कई दशकों बाद इस मार्ग का उद्धार होने के दिन आये तो उसमें भी फिर एक हिस्सा

छोड़ देना किये कराये पर पानी फेरने वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है।

बड़ा हादसा होने का इंतजार कर रहा प्रशासन

घन जंगल और घाटी के इस जर्जर रास्ते से गुजरने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहन चालक एम्बुलेंस और स्कूली बसें रोज अपनी जान जोखिम में डालते हैं। ग्रामीणों ने एक बार फिर आशंका जाहिर की है कि यदि जल्द ही इस जंगली घाटी वाले अधूरे हिस्से का निर्माण कार्य शत प्रतिशत पूरा नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। पिछले दिनों यहां पर कुछ डम्पर भी पलट चुके हैं और यात्री बस भी पलट चुकी है। फिर प्रशासन किसी बड़े हादसे के इंतजार में बैठा हुआ है।



तेंदूखेड़ा। विगत दिवस समीपी ग्राम डोभी में बस स्टैंड और हाट बाजार के बीच स्थित एक विद्युत खंभे में करंट आने से एक बेजुबान गाय की मौके पर ही मौत हो गई। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को ठेकेदार द्वारा विद्युत केबिल संबंधी कार्य किया गया था। काम पूरा करने के बाद विद्युत व्यवस्था की जांच किए बिना ही कर्मचारी वहां से चले गए। इसी दौरान रात में खंभे में करंट प्रवाहित होने लगा उसकी चपेट में आ गई।

ग्रामीणों ने घटना को गंभीर लापरवाही बताते हुए विद्युत विभाग के संबंधित ठेकेदार से कार्य के बाद विद्युत व्यवस्था की पूरी तरह जांच सुनिश्चित करने की मांग की है। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और लोगों तथा मवेशियों की जान को खतरा न रहे। ग्रामीणों का कहना है कि डोभी में विद्युत विभाग में कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। क्षेत्र में वर्तमान में एक ही लाइनमैन के पदस्थ होने की बात सामने आ रही है।